भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—लघु 3—उप-खण्ड (Ⅰ)
PART II—Section 3—Sub-section (Ⅰ)

सर्वश्रेष्ठ द्वारा प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

भाग 487] प्रमह 5, 1983/पाः 5, 1905
No. 487]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 26, 1983/PAUSA 5, 1905

इस भाग में भिन्न पुढ़े संख्या को जानता हूँ जिससे रिक यह अलग संकलन के रूप में उठा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उल्लो संबंध

(प्रेमिका संपादक)

नई दिल्ली, २६ दिसम्बर १९८३

अभिप्रेत

भाग ५५२ प्रम. ९१८ (क): केनी दत्तक देश उच्च विद्यालय अभिप्रेत, १९७४ (१९७४ का ४७) की धारा ३१ द्वारा दर्ज

द्वारा प्रकाशित गृह विज्ञान विद्यालय, १९८३

1. विभिन्न नाम और वार्षिक (१) इतिहास का लक्षित नाम देने


2. शासकशाले इन नियमों में जब नक तकि शर्तों के अनुसार अनुसरण

(क) "अवलम्बित" ने भेजन (जिसके अनुसार समय-समय पर जारी

(का) एक अवलम्बित दर्जा के अनुसार दर्जा विभाग का मंत्री भेजन

(क्र) उल्लेख ने भेजन, अप्रतीत भेजन, जिसे शोध का रूपांतरण अनुग्रह

(क्रम) लेख शोधन के लिए जाना चाहिए जो यहाँ दर्जा का प्राप्त कर

(क्रम) उल्लेखित विषय और विशेष बहुत निर्देश निर्देश अनुमोदन करती है, दलक

(क्रम) गलत गलत-गलत भी है।

(क्रम) भाव के कपड़े भी भाव जिनके अनुसार निर्देश भी भाई भी है

(क्रम) अवसंपत्ति बाहर और विवाह बहुत निर्देश निर्देश अनुमोदन करती है।

(क्रम) बिना उल्लेखित पुस्तकें और

(क्रम) बिना पुराण-पुराण पुस्तकें दे वालक:
(१) "सभ्यतिपूर्वक गर्भवती" ने कोई ऐम का शरीर को लेने के निवासित समय में नियोजित नहीं है, अतः उसे बाहर के रूप में नियोजित किया जाता है जो अपर्याप्त रूप से पूर्वज्ञान दिया जाता है या लिखी गई काम के तांत्रिक धर्म १२ नंबर के अनुसार की वजह के लिए नियोजित किया जाता है।

(ii) "अत्यधिक शरीर" की १८ वर्ष की अभ्यास पूर्ण हो जाने के पश्चात, कोई ने की गई शिक्षा से नियोजित, इसका कारण देखते हैं कि यह अभ्यास के बाद के अनुसार आत्माता से जुड़ी व्यवस्था की शिक्षा के कारण, इसका धीरे-धीरे अनुमोदित नहीं है।

5. उपर्युक्त को नक़ल (१) उपर्युक्त उपलब्धियों के १५.१/२ गुणा ३६,०००,००० रुपये देना चाहिए कि उपर्युक्त के कारण हुए अन्य दोषों की पूर्ति के १३ वर्ष ५ नंबर की सेवा को नियामक करने के लिए उपलब्धियों के १/४ के प्राप्त होंगे।

6. उपर्युक्त के संबंध में नियोजित (१) उपर्युक्त नियोजित रूप से वनस्पति उपर्युक्त के अनुसार जगति दिवस १२ नंबर की सेवा को नियामक करने का अनुमोदित होता है।

7. उपर्युक्त के लिए अभ्यास उपर्युक्त की तंत्रित मात्रा के लिए आवश्यक बनाने का अध्ययन दिवस ५ वर्ष के अनुसार दिवस को प्राप्त होता है।

8. साधारण नियोजित (१) उपर्युक्त के रूप से, कुछ अनुमोदन जाति के द्वारा उपर्युक्त नियोजित रूप से अभ्यास की जाती है।
भारत का राजन : संवाददर्शन

प्रथम

मूलप्रभाव नियूतित विज्ञान के लिए समानान्तरि
वर कंप्यूटर को बनाए युगांने होणार एक एक से व्यक्तिक संसार को समानान्तरि करते हुए है।

(2) निर्णय नहीं वह इसके संरचन पुर : सहायता हो जाती है
भारत यह भी पर या की भवन पर होती है या
वर कंप्यूटर को मूल हो जाती है या उसे भवनीय होने
के लिए निर्णय कर दिया जाता है या वह निर्भूलविशेष
हो विद्युत हो जाता है।

(4) तात्पर्य के स्वरूप के तत्वक का संसार या
नियूतित की सम्मानि।

12. मनुष्यविश्व की पूर्णता । वह तत्त्वक
निर्भूलि उपरण की मूलि ही है वेतन भावना या उसके लिए उन पर्यावर
के लिए पूर्णता ज्ञाति की मूलि स्वरूप का खुदू में कर
मरण

13. मरण और सिद्धि पर गमन करता
(1) ऐसी भावित पर जो यह प्रथम नमरों में भिन्नित द्वारा
ढोंग उपग्रह, अथवा कंप्यूटर की सेवाओं में सभी अवलोकनों को भाग कर
मरण

(2) प्रत्ययक विश्वविद्यालय की बाह्य सेवाएं में 6 मास से अवर्तक
की भावी की भाग कर समेत है, जिन मरण की संधि देवता स्वयं
प्रतिक मरण 3 मास से अवर्तक की ऐसी भावी की मरण कर
लेखा

14. विश्वविद्यालय की बस्ती करने का भाग का अदालत:
- बोधि को पत्तित पुरः या भागी : गोव्या गोव्या गोव्या
- कंप्यूटर की ओर हो भिन्नित नया या अवर्तक के परिवर्तनशाली बोधि को हुए
- कंप्यूटर को कहीं कंप्यूटर की रहता से भी गुणनीय बोधि को हुए
- मरण हो जाता है या कंप्यूटर के लोकत जिसी अवर्तकी की गई सेवा या सेवा
निवृत्ति के प्रभाव पुरूषाविश्व को है, थोर व्यक्ति या जीवन का दूरी एरा है
भाव ही कंप्यूटर को दूसरे के मरण में स्वृवत न दी गई हो।

15. कंप्यूटर के अधिनित का अनुसरण न होना
- रूप दिनियों के अभाव के कंप्यूटर को संख्या पत्नी या उन
- मरणों को जो जी सर्व व्यक्ति कंप्यूटर के अधिनित का
समानान्तरि मिट्टी बना या कराता है या विविध नहीं निवृत्ति या
संकट हो या अवर्तनशाली नहीं निवृत्ति या कराता है

16. कंप्यूटर की प्रभा : उपादि उपादि
- उपादि का संहर राही कंप्यूटर की अथवा

[भाग II—बंड 3(i)]

प्रथम

मूलप्रभाव नियूतित विज्ञान के लिए समानान्तरि
वर कंप्यूटर को बनाए युगांने होणार एक एक से व्यक्तिक संसार को समानान्तरि करते हुए है।

(1) अवर्तक : कंप्यूटर की सेवा में अवर्तक से भिन्निति
- की भावना उसके पत्ति सेवा का समाहार हो जाता है,

(1) प्रभूति अनुचितता प्रूपीः

(2) प्रभृति अनुचितिस्वरूप बदलाए के तत्वक के उपरान्त आक्रान्तिक
- अनुचितता का तत्काल यह अनुचितत दुःख बाध्यता का पर
अनशनानीय रूप से भी थाह हो जाता है। गीत यह आ च भी
अनशनानीय कर में भर विज्ञान हो जाता है तो पत्ति सेवा संपूर्ण
हो जाती है।

[५६३ जै 7(10) / ५३ वित्त द] अदालत व्यवधान, संसुलित सिद्धि
श्री नीतीश कुमार सीताराम ने राष्ट्रीय राजमार्ग के अंतर्गत मार्ग संख्या ३२ के बहादुर्गा मुख्यमंत्री के रूप में जाने पर श्री नीतीश कुमार सीताराम के सम्बन्ध में विभिन्न क्षेत्रों में विविध विवरण प्रदान किए गए हैं।

<table>
<thead>
<tr>
<th>मुख्यमंत्री का नाम</th>
<th>कार्यकाल</th>
<th>तारीख</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>नीतीश कुमार सीताराम</td>
<td>2004-2009</td>
<td>2004-2009</td>
</tr>
</tbody>
</table>

अन्य नामांकन के बारे में विशेष विवरण नहीं मिला है।
<table>
<thead>
<tr>
<th>नामितिष्ठिति/नामितिष्ठितियों का ड्राम</th>
<th>कर्मचारी के संबंध में</th>
<th>यात्रा</th>
<th>प्रावधान की संदीय उपदान की रूपता का लेखन</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>ऐसी व्यक्ति या व्यक्तियों, जिन्होंने कोई प्रावधान को संबंधित हो, जो प्रावधान के लिए विशेष आवश्यकताओं की जानकारी को मिला।</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

1. 2. 3. 4.

निर्देश: यह नामितिष्ठित पहले तारिख तक, की भेजे हुए शासन ग्रहण के लिए नामितिष्ठित कराया है, जो रह गया है।

(1) कर्मचारी की भावना के लिए यह दर्शन प्रविष्ट के संबंध में पाठ नहीं है, अतः जहाँ यदि उन्हें हस्ताक्षर किया जा रहा है, तो यह संबंध में छोड़े।

(2) यदि यात्रा न होती हो, जहाँ क्रांति हो।

शासन लारियां: 198 शासन शासितों के हस्ताक्षर: कर्मचारी के हस्ताक्षर: 1. 2.

*यह शासन भर गया चाहिए जिससे कि उपदान की पुष्टि रचा गया।

*यह शासन भर गया चाहिए जिससे कि उपदान की पुष्टि रचा गया।

शासन/स्वास्थ्य/मानवीय विधानों के हस्ताक्षर: तारिक: प्रविष्टक।

शासन/राज्यालीकरण/विभागों के हस्ताक्षर: प्रविष्टक।

शासन/राज्यालीकरण/विभागों के हस्ताक्षर: प्रविष्टक।

शासन/राज्यालीकरण/विभागों के हस्ताक्षर: प्रविष्टक।

निर्देश: कर्मचारी की यह मानता है कि यह उनके नामितिष्ठितियों के लिए में दोहरा धारा नामितिष्ठित को प्रतिनिधि ब्याख्या समाप्त तथा धारा साधनों के प्रावधान के प्रभाव स्वियोजन करने हेतु यह पहला है कि धारा का भाग के संबंधित कर को है।

शासन/राज्यालीकरण/विभागों के हस्ताक्षर: प्रविष्टक।
MINISTRY OF ENERGY
(Department of Petroleum)

New Delhi, the 26th December, 1983

NOTIFICATION

G.S.R. 919(E).—In exercise of the powers conferred by section 31 of the Oil Industry Development Act, 1947 (No. 47 of 1974), the Central Government hereby makes the following rules, namely:

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Oil Industry Development Board Employees' (Death-cum-Retirement) Gravuity Rules, 1983.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

(a) "Emoluments" means the pay (including dearness pay as determined by the order of the Central Government issued from time to time), special pay, leave salary, which an employee of the Board was receiving immediately before his quitting service or on the date of his death, and shall be subject to a ceiling of Rs. 2500 per month;

(b) "Family" includes the following:

(i) wife or wives (including judicially separated wife or wives) in the case of a male Government servant;

(ii) husband, (including judicially separated husband) in the case of a female Government servant;

(iii) sons including step sons and adopted sons;

(iv) unmarried daughter including step daughters and adopted daughters;

(v) widowed daughters including step daughters and adopted daughters;

(vi) father (including adopted parents in the case of individuals whose personal law permits adoption);

(vii) mother;

(viii) brothers below the age of eighteen years including step brothers;

(ix) unmarried sisters and widowed sisters including step sisters;

(x) married daughters; and

(xi) children of a pre-deceased son;

(c) "Non-regular employee" means a person who is not employed on regular establishment of the Board but is employed for work which is essentially of a purely temporary nature or is employed in connection with temporary increase in permanent work for a period not exceeding twelve months;

(d) "Qualifying service" means continuous service rendered in the Board after completion of 18 years of age including continuous service rendered prior to the commencement of these rules, that is, from the date of appointment in the Board except periods of service rendered as apprentice or trainee and extra-ordinary leave without leave salary and periods of suspension adjusted as a special penalty.

Note:—In the case of extraordinary leave, the Secretary or the Chairman may, at the time of granting such leave, allow the period of that leave to count as qualifying service if such leave is granted to an employee—

(i) on medical certificate, or

(ii) due to his inability to join or rejoin duty on account of civil commotion.

(e) "Superannuation" means the retirement of the Board's employee from service on reaching the age of fifty eight sixty years.

3. Scope.—Gratuity shall be granted to the whole time regular employees of the Board, but shall exclude the following:

(i) Casual and non-regular employees.

(ii) Government servants and other employed on deputation terms.

(iii) Employees on contract terms.

(iv) Apprentices and trainees.

(v) Re-employed persons.

(vi) Employees governed by the payment of Gratuity Act, 1972 (39 of 1972);

Provided that such of the terms of payment of gratuity under these rules as are more beneficial than those under the payment of gratuity Act, 1972 (39 of 1972), shall be applicable to such employees.

4. Condition for the grant of gratuity.—Subject to the provisions mentioned in rule 3 gratuity shall be granted to the whole time employees...
of the Board for good, efficient and faithful service and shall be admissible in the following circumstances:

(a) Discharge on abolition of post.

(b) Permanent incapacity due to bodily or mental infirmity.

(c) On the death of an employee while in service.

(d) Superannuation.

(e) Resignation (on or after the 1st February, 1980) in the case of Supervisory employee after rendering 5 year's qualifying service in the Board on the date of relief from the service of the Board.

(f) (i) Gratitude will not be admissible, to an employee who resigns from service before completing 5 year’s qualifying service or whose services are terminated for misconduct, insolvency or inefficiency.

(ii) Except in the case of death, gratitude will be admissible only after five year’s qualifying service.

5. Amount of gratitude.—(1) Gratitude will be equal to 4th of the emoluments for each completed period of six months of service subject to a maximum of 163 times the emoluments—or Rs. 35,000,—whichever is less.

(2) In the case of death, the amount of gratitude will be calculated as provided in sub-rule (1) or as mentioned below whichever is more:

(i) During the first year of service

(ii) After one year but before 5 years service.

(iii) After completion of 5 years service.

6. Nomination for Payment of Gratitude.—

(1) Every employee shall make a nomination in the form appended to these rules conferring on one or more persons of his family, the right to receive the gratitude in the event of his death while in service or after quitting service but before payment of the gratitude is made, indicating the shares payable to each member. In the case of an employee having no family, the nomination may be made in favour of a person or persons or a body of persons, corporate or incorporate. If after having made a nomination in favour of a person who is not a member of his her family, the employee acquires a family, the nomination so made, will automatically lapse and unless a fresh nomination is made, gratitude will be paid to the surviving members of the family in accordance with the provisions of these rules.

(2) In the event of there being no nomination, the gratitude, on death, may be paid in the manner indicated below:

(a) if there are one or more surviving members of the family as provided in sub-clauses (i) to (iv) of clause (b) of rule 2, it shall be paid to all such members, other than any such member who is a widowed daughter, in equal shares.

(b) If there are no such surviving members of the family but there are one or more surviving widowed daughter, and or more surviving members of the family as mentioned in sub-clauses (v) to (ix) of clause (b) of rule 2, the gratitude shall be paid to all such members, in equal shares.

(3) An employee may at any time, revoke or change the nomination made under sub-rule(1) and make a new one which shall be effective from the date it is filed with the Board.

7. Application for Gratitude.— Application for the grant of gratitude shall be submitted in the prescribed form to the Chairman Secretary of the Board.

8. General rules.— (1) The amount of gratitude that may be granted is determined by the length of service as set forth in rule 4. Fractions of a half year are not taken into account in the calculation of any gratitude admissible to an employee.

(2) Any gratitude fixed in rupee shall be calculated to the nearest rupee.

(3) An employee who is selected for discharge owing to the abolition of the post is entitled to gratitude under rule 4, if he does not accept any other post in the Board. If he accepts another appointment, even on a lower pay, his previous service will count for gratitude.

9. Periods of suspension.— (1) Time passed under suspension pending enquiry into the conduct counts if suspension is immediately followed by reinstatement but time passed under suspension adjusted as a specific penalty does not count. An employee shall not be penalised, if he is exonerated after a period of suspension.

(2) If the employee under suspension is reinstated but has not been allowed to draw any part of allowances admissible
under suspension, the period of such suspension, shall not count for purpose of qualifying service without the specific orders from the authority, who reinstates the employee, which shall clarify this issue immediately after the reinstatement.

10. Removal and dismissals.— (1) An employee who is dismissed, removed or compulsorily retired but is reinstated on appeal or revision, is entitled to the benefit of his past service for the purpose of gratuity.

(2) The period of break in service between the date of dismissal, removal or compulsory retirement, as the case may be, and the date of reinstatement and the period of suspension, if any, shall not count unless regularised as duty or leave by a specific order of the authority which passed the order of reinstatement.

11. Interruptions.— An interruption in the service of an employee entails forfeiture of his past service save in the following cases,—

(1) Authorised leave of absence.

(2) Unauthorised absence in continuation of authorised leave of absence so long as the post of the absentee is not substantively filled. If his post is substantively filled, the past service is forfeited.

(3) Suspension where it is immediately followed by reinstatement whether to the same or a different post or where the employee dies or is permitted to retire or is retired while under suspension.

(4) Abolition of post or loss of appointment owing to reduction of establishment.

12. Retrospective commutation of absence.— The authority who sanctions the gratuity may commute retrospectively periods of absence without leave into extraordinary leave with or without leave salary.

13. Coadonation of interruption and deficiencies.— (1) Upon such conditions as the Chairman may think fit in each case to impose, the Chairman may condone all interruptions in an employee's service.

(2) The Chairman may condone a deficiency not exceeding six months in an employee's qualifying service and the authority competent to sanction gratuity may condone such a deficiency not exceeding three months.

14. Board's right to recover dues, etc.— The Board shall have the right to effect recovery from the gratuity of the whole or part of the Board's dues, if any. Any pecuniary loss caused to the Board as a result of any act or commission on the part of the employee shall also be recovered from the amount of gratuity payable to such an employee if the Board is satisfied that the employee has been guilty of grave misconduct or negligence during his service including service rendered or re-employment after retirement even though the employee could not be informed of it.

15. Employee's right not transferable.— The right of an employee eligible to any benefits payable or which may become payable to him under these rules cannot be assigned (otherwise than a provided in rule 6); pledged, hypothecated or alienated.

16. Gratuity subject to statutory deductions.— Payment of gratuity is subject to all statutory deductions.

[F. No. 7/10/83-Fin. I]
R. VASUDEVAN, Jt. Secy

FORM—I

Nomination for Death-Cum-Retirement Gratuity

When the employee has a family and wishes to nominate one member or more than one member, thereof.

I hereby nominate the person/persons mentioned below who shall be member(s) of my family, and confer on him/them the right to receive to the extent specified below, any gratuity that may be sanctioned by the Oil Industry Development Board in the:
event of my death while in service and the right to receive on my death, to the extent specified below, any gratuity which having become admissible to me on retirement may remain unpaid at my death:

<table>
<thead>
<tr>
<th>Original nominee(s)</th>
<th>Alternate nominee(s)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>Name and address of</td>
<td>Amount of share of</td>
</tr>
<tr>
<td>nominee/nominees</td>
<td>gratuity payable</td>
</tr>
<tr>
<td>Relationship with</td>
<td>to each*</td>
</tr>
<tr>
<td>the employee</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>Age</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>Amount of share of</td>
<td>Amount of share of</td>
</tr>
<tr>
<td>gratuity payable</td>
<td>gratuity payable</td>
</tr>
<tr>
<td>to each**</td>
<td>to each**</td>
</tr>
<tr>
<td>1.</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5.</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

This nomination supersedes the nomination made by me earlier on———-—-— which stands cancelled.

Note:-
(i) The employees shall draw lines across the blank space below the last entry to prevent the insertion of any name after being signed.
(ii) Strike out which is not applicable.
Dated this———-—day of———-—198 at———-—
Witnesses to signature.
1. ————-—
2. ————-—

*This column should be filled in so as to cover the whole amount of the gratuity.
**The amount/share of the gratuity shown in this column should cover whole amount/share payable to the original nominee(s)

(TO BE FILLED BY THE OIL INDUSTRY DEVELOPMENT BOARD, SECRETARIAT)

Nomination by ————-—
Designation ————-—
Office ————-—

PROFORMA FOR ACKNOWLEDGING THE RECEIPT OF THE NOMINATION FORM BY THE OIL INDUSTRY DEVELOPMENT BOARD'S SECRETARIAT

To ————-—

Sir:
In acknowledging the receipt of your nomination dated———-—/cancellation dated the———-—of the nomination made earlier in respect of gratuity in Form ————-—, I am to state that it has been duly placed on record.

Signature of Secretary/Administrative Officer

Place ————-—
Date ————-—

Note: The Employee is advised that it would be in the interest of his nominees if copies of the nomination and the related notices and acknowledgements are kept in safe custody so that they may come into the possession of the beneficiaries in the event of his death.

1216 GI/83—2
**FORM-2**

**NOMINATION FOR DEATH-CUM-RETIREMENT GRATUITY**

When the employee has no family and wishes to nominate one person or more than one person

1. having no family, hereby nominate the person/persons mentioned below and confer on him/her the right to receive to the extent specified below, any gratuity that may be sanctioned by the Oil Industry Development Board in the event of death while in service and the right to receive on my death, to the extent specified below, any gratuity which having become admissible to me on retirement may remain unpaid at my death.

<table>
<thead>
<tr>
<th>Original nominee(s)</th>
<th>Alternate nominee(s)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>Name and address of</td>
<td>Name, address, relation</td>
</tr>
<tr>
<td>nominee/nominees</td>
<td>ship and age of the</td>
</tr>
<tr>
<td>Age</td>
<td>Amount of gratuity</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>payable to each#</td>
</tr>
</tbody>
</table>

<table>
<thead>
<tr>
<th>1.</th>
<th>2.</th>
<th>3.</th>
<th>4.</th>
<th>5.</th>
<th>6.</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

This nomination supersedes the nomination made by me earlier on which stands cancelled.

Note:
(i) The employee should draw lines across blank space below the last entry to prevent the insertion of any name after he signed.
(ii) ---out which is not applicable.

1. Day of 198 at

Witnesses to signature:
1. 
2. 

Signature of the employee

---

This column should be filled in so as to cover the whole amount of the gratuity.

---

The amount/share of the gratuity shown in this column should cover whole amount/share payable to the original nominee.

---

**PROFORMA FOR ACKNOWLEDGING THE RECEIPT TO THE NOMINATION FORM BY THE OIL INDUSTRY DEVELOPMENT BOARD’S SECRETARIAT**

To

Sir,

In acknowledging the receipt of your nomination dated the /cancellation dated the of the nomination made earlier in respect of gratuity in Form- has been placed on record.

Place: 

Dated: 

Signature of Secretary/Administrative Officer

Note—The employee is advised that it would be in the interest of his nominee if copies of the nominations and the related acknowledgements are kept in safe custody so that they come into the possession of the beneficiaries in the event of death of the employee or the nominee dying after the death of the employee but before receiving payment of gratuity.